पत्र सूचना शाखा
सूचना एव जनसम्पर्क विभाग उ०प्र०
(राज्यपाल सूचना परिसर)

राज्यपाल जी ने आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों के प्रशिक्षण शिविर का किया समापन

———

आंगनवाड़ी कार्यत्रियों को शिशु–शिक्षा का प्रशिक्षण अत्यन्त उपयोगी

———

अपने प्रशिक्षण में नये प्रयोग स्वयं जोड़े आंगनवाड़ी कार्यकत्री

———

प्रशिक्षण को कंठस्थ करें और व्यवहार में संकोच न करें

———

लखनऊ की आंगनवाड़ी कार्यकत्री राजभवन में बच्चों को ज्ञानवर्द्धन के लिए पंचतंत्र दिखाने लाएं

———

गोद भराई कार्यक्रम में आंगनवाड़ी कार्यकत्रियां गर्भवती महिलाओं से शिशु पालन की चर्चा भी करें

———

महिला कल्याण तथा बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग गर्भस्थ शिशु की देखभाल को ज्ञान देने वाले पैम्फलेट बनाकर उपलब्ध कराए–

आनंदीबेन पटेल

———

राज्यपाल ने आंगनवाड़ी प्रशिक्षण एवं शिशु–शिक्षा सम्बंधी ऐप SHISHU SHIKSHA.in का विमोचन किया

———

समारोह में 322 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, सुपरवाइजर और सीडीपीओ को प्रशिक्षण दिया गया

———

लखनऊ : 8 अगस्त, 2021

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज यहां डा0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ के आई0ई0टी0 स्थित सभागार में चल रहे तीन दिवसीय आंगनवाड़ी प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर प्रतिभाग किया। इस अवसर पर समारोह में सम्बोधन करते हुए उन्होंने कहा कि शिशु–शिक्षा के लिए आयोजित किया गया यह आंगनवाड़ी प्रशिक्षण कार्यक्रम अत्यन्त

उपयोगी सिद्ध होगा। उन्होने कार्यकत्रियों से कहा कि प्रशिक्षण के उपरान्त व्यवहारिक कार्यक्षेत्र में शिशु–शिक्षा के लिए नए प्रयोग भी करें।

राज्यपाल ने समारोह में आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों के प्रशिक्षण के प्रदर्शन को लक्ष्य करके उन्हें प्रशिक्षण कार्यक्रमों को कंठस्थ रखने और उसे व्यवहार में लाते समय संकोच न करने को कहा। उन्होंने अपने सम्बोधन में शिक्षा के समय बच्चों से होने वाली छोटी–छोटी भूलों ओर बच्चों के सीखने की प्रकिया पर विशेष ध्यान आकर्षित कराते हुए शिशु–शिक्षण में उनका ध्यान रखने को कहा।

गीत एवं नाट्य–प्रस्तुतियों द्वारा शिशु–शिक्षण के प्रशिक्षण की सराहना करते हुए उन्होंने कहा गीत–संगीत ओर चित्र से बच्चे सहज भाव से ज्ञान अर्जित कर लेते हैं। इसी कम में उन्होंने कहा कि लखनऊ की आंगनवाड़ी कार्यकत्रियां बच्चों को ज्ञानवर्द्धन हेतु राजभवन में पंचतंत्र के भ्रमण के लिए ला सकती हैं। लखनऊ के आंगनवाड़ी बच्चों के पंचतंत्र भ्रमण के लिए राजभवन खोला जायेगा। उन्होंने बच्चों को गांव तथा गांव के निकटस्थ स्थलों पर भ्रमण कराकर शिक्षा देने पर जोर दिया।

सम्बोधन में राज्यपाल ने महिला एवं बाल विकास द्वारा गर्भवती महिलाओं हेतु आंगनवाड़ी पर चलाए जा रहे गोदभराई कार्यक्रम की चर्चा करते हुए कहा कि गोद भराई के समय गांव की महिलाओं को शिशु पालन का शिक्षण भी दें। उन्होंने कहा गर्भस्थ शिशु–दर पर वातावरण का असर भी पड़ता है। इस संदर्भ में उन्होंने चिकित्सा से वैराग्य लेने वाले डा0 सैमसंग की आत्मकथा से गर्भपात के समय गर्भस्थ शिशु के व्यवहार का उल्लेख भी किया। उन्होंने कहा महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग गर्भस्थ शिशु का ज्ञान देने वाले चित्र प्रदर्शित पैम्फलेट बनाकर गांवों तक उपलब्ध कराएं। उन्होंने प्रदेश सरकार द्वारा गोदभराई कार्यक्रम चलाने की सराहना भी की।

समारोह में राज्यपाल ने **SHISHU SHIKSHA.in** एप का विमोचन भी किया। इस एप को गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड किया जा सकेगा। इस एप पर समस्त आंगनवाड़ियों, वहां के संसाधन, कार्यकत्रियों, शिशु–शिक्षण का प्रशिक्षण कार्यक्रम उपलब्ध रहेगा। इसके साथ ही एप पर सूचनाओं को अपलोड करना, डिजिटल रिकार्ड रखना तथा डाउट फोरम पर जाकर प्रश्नोत्तर भी किया जा सकेगा।

लखनऊ के जिलाधिकारी श्री अभिषेक प्रकाश जी ने आए हुए सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में उत्साह, अनुशासन और

समर्पित भाव से आंगनबाड़ी बहनों और आप लोगों ने प्रशिक्षण में भाग लिया। यहां पर खेल–खेल में बच्चों के सर्वांगीण विकास से लेकर गर्भवती माताओं, किशोरियों की देखभाल व आंगनबाड़ी के आदर्श बनाने की कला सीखीं। आंगनबाड़ी बहने इसे धरातल पर सिद्ध करके दिखाएंगी और अन्य आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए आदर्श प्रस्तुत करेंगी।

इससे पहले आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने प्रशिक्षण में जो कुछ सिखाया गया था उसका प्रदर्शन किया। उन्होंने अपनी प्रस्तुति के माध्यम से नन्हे–मुन्ने बच्चों को खेल खेल में शारीरिक शिक्षा, कहानी, गीत, गणित और भाषा की शिक्षा दी ।

इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में 322 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, सुपरवाइजर और सीडीपीओ को प्रशिक्षण दिया गया तथा समापन समारोह में प्रशिक्षकों को भेंट देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार श्रीमती स्वाती सिंह, प्रमुख सचिव बाल विकास एवं पुष्टाहार सुश्री वी0 हेकाली झीमोमी, निदेशक सुश्री सारिका मोहन सहित विद्या भारती की अखिल भारतीय बालिका शिक्षा संयोजिका सुश्री रेखा चूड़ासमा जी, क्षेत्रीय मंत्री डॉ. जय प्रताप सिंह, अन्य सदस्यगण तथा प्रशिक्षण प्राप्त समस्त आंगनवाड़ी कार्यकत्री तथा सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित थे।

———————

राजभवन (07/04)

प्रेरणा
आदरणीय आनन्दीबेन
माननीय राज्यपाल, उत्तर प्रदे
योगी आदित्यनाथ
सहयोग - विद्या भा
पूर्वी उत्तर प्रदेश

दिनांक 06, 07 व 08
स्थान - आई.ई.टी., ल
प्रेरणा
आदरणीय आनन्दी
योगी आदित्यनाथ

06, 07 व 08 अगस्त 2021
स्थान - आई.ई.टी., लखनऊ
प्रेरणा